**Title:** Urged the Government for speedy implementation of the pending Railway Projects in Bihar.

**श्री रामचन्द्र पासवान (रोसेड़ा) :** माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि बिहार में हाजीपुर रेलवे जोनल कार्यालय को बंद करने के निर्णय और पटना गंगा नदी पर रेलवे पुल का कार्य सर्वे में डालकर टालने की जो साजिश की जा रही है। समस्तीपुर-खगरिया छोटी लाइन को बड़ी लाइन में परिवर्तित करने का प्रस्ताव पास होने के बावजूद भी रेल मंत्रालय द्वारा स्वीकृति प्रदान नहीं की जा रही है। हसनपुर-सकरी नयी रेल लाइन, कुशेश्वर स्थान खगड़िया नई लाइन, कटिहार-जोगबनी रेलवे, मान्सी सहरसा छोटी लाइन से बड़ी लाइन में परिवर्तित करने का काम, पटना-गया लाइन के दोहरीकरण के कार्य में आवश्यक विलंब, आरा में सासाराम रेलवे लाइन, रांची में डिविजनल जोनल कार्यालय का जो निर्माण कार्य है, उसको बंद करने का निर्णय एवं बिहार की अन्य महत्वपूर्ण रेलवे परियोजनाओं के संबंध में सरकार के नकारात्मक रवैये के खिलाफ आज 9 अगस्त से बिहार के सभी दलों के लोगों ने, सांसदों ने रेल चक्का जाम कर रखा है। बिहार के 46 संसद सदस्यों ने जिसमें कई केन्द्रीय मंत्री भी शामिल हैं, चार माह पूर्व माननीय प्रधान मंत्री जी को बिहार के साथ रेल मंत्रालय द्वारा पक्षपातपूर्ण रवैये के खिलाफ दो बार लिखा है।

अत: मैं सरकार के माध्यम से मांग करता हूं कि उसे शीघ्र पूरा कराया जाए।â€¦( व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** देखिए, जीरे आवर में पढ़कर नहीं बोलना है।

**डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) :** उपाध्यक्ष महोदय, जो मामला श्री पासवान ने उठाया है उसको देखकर लगता है कि यह सरकार बिहार के साथ घोर दुश्मनी का व्यवहार कर रही है। श्री राम विलास पासवान जब रेल मंत्री थे, तो उन्होंने हाजीपुर रेलवे जोनल कार्यालय बनवाया, पटना रेल पुल का शिलान्यास हुआ, उन सब कार्यों को बंद कर दिया गया है। उनको आगे नहीं किया जा रहा है।â€¦( व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions)**